विधान परिषद के द्वितीय सत्र, 2022 के प्रथम मंगलवार के लिए श्री ध्रुव कुमार त्रिपाठी , मा0 सदस्य विधान परिषद द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या-4 का उत्तर-

प्रश्न		उत्तर
4(क)- क्या व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री बतायेंगे कि जनपद सिद्धार्थनगर में वित्तीय वर्ष 2018-19 से अब तक कितने बेरोजगारों को प्रशिक्षित किया गया, उनमें से महिला एवं पुरूषों की संख्या कितनी-कितनी है?		जनपद सिद्धार्थनगर में वर्ष 2018-19 से दिनांक 25 अगस्त, 2022 की अविध में कुल 7143 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 2753 पुरूष तथा 4390 महिलायें हैं।
(ख)- क्या प्रशिक्षण के नाम पर भारी अनियिमततायें की गयी हैं?		जनपद सिद्धार्थनगर में किसी अनियमितता की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
(ग)- यदि हाँ, तो क्यों?		बिन्दु-ख के आधार पर प्रश्न नहीं उठता।
(घ)- उक्त प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रशिक्षकों की शैक्षिक योग्यता क्या-क्या है और उन पर कितना धन व्यय किया गया ?		कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन हेतु निर्धारित व प्रख्यापित कॉमन नार्म्स के अनुसार प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टी0ओ0टी0) के वैध प्रमाण-पत्र धारक होना आवश्यक है। समस्त संचालित प्रशिक्षण सत्रों के प्रशिक्षकों के संबंध में उक्त प्राविधान सुनिश्चित किया गया है। भारत सरकार द्वारा जारी कॉमन नार्म्स के सुसंगत अंश निम्नवत है:- "उपयुक्त अर्हता /अनुभव वाले प्रशिक्षक नियुक्ति किये जायें और प्रत्येक प्रशिक्षक, प्रशिक्षक प्रशिक्षण पाठयक्रम (टी0ओ0टी0) किया हुआ हो।" उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रशिक्षण लागत का भुगतान सीधे प्रशिक्षण प्रदाताओं को किया जाता है। अत: प्रशिक्षकों का टी0ओ0टी0 में प्रशिक्षण सुनिश्चित कराने का दायित्व संबंधित प्रशिक्षण प्रदाता द्वारा वहन किया जाता है। मिशन के द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर कोई धनराशि व्यय नहीं किया जाता है।

कपिल देव अग्रवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास
विभाग।